विचार बिन्दु

जीवन में आधे दुःख इस कारण जन्म लेते हैं क्योंकि उनमें आशाएं बड़ी होती हैं इन आशाओं का त्याग करके देखो जीवन में सुख ही सुख है।

- भगवान श्रीकृष्ण

मोदी की गारंटी का असर, भारत में गरीबी पर तगड़ा प्रहार

भारत में गरीबी की स्थिति को लेकर नीति आयोग ने एक रिपोर्ट जारी की है। नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट भारत के विकास के लिए बेहद अच्छी खबर लेकर आई है। मोदी सरकार के दोनों कार्यकालों में चलाई गई योजनाओं का असर दिखने लगा है। रिपोर्ट की माने तो गरीबी कम करने के मामले में भारत को बड़ी कामयाबी मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक मोदी सरकार के कार्यकाल के 9 सालों में 24 करोड़ 82 लाख लोग गरीबी रेखा से बाहर निकल आए हैं। बताया जाता है बड़ी संख्या में लोगों के गरीबी रेखा से बाहर आने की खास वजह सरकारी योजनाओं में लीकेज बंद होना है। इस रिपोर्ट में भारत में गरीबी के विरुद्ध लड़ाई में भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 2013-14 में भारत में गरीबी दर 29.17 फीसदी थी, जो 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत रह गई। मोदी सरकार के 9 साल के कार्यकाल में गरीबी दर में 17.89 फीसदी की कमी आई है। लगभग 25 करोड़ लोगों के गरीबी रेखा से बाहर निकलने के बाद देश में अब भी 11.28 प्रतिशत लोग गरीब हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 41.3 प्रतिशत लोग अब भी बेघर हैं। 31 प्रतिशत लोग टॉयलेट सुविधा से वंचित हैं। यही नहीं तमाम अभियानों के बाद भी 44 प्रतिशत के पास रसोई गैस कनेक्शन नहीं है। रिपोर्ट 12 मानकों के आधार पर तैयार हुई है। विश्व बैंक ने दिन में 180 रुपये से कम कमाने वालों को गरीबी रेखा से नीचे माना है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी में 5.94, बिहार में 3.77, मध्य प्रदेश में 2.3, राजस्थान में 1.87 करोड़ गरीब घटे हैं। वहीं, महाराष्ट्र में 1.59 करोड़ और गुजरात में 89 लाख लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। नीति आयोग ने कहा कि राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवनस्तर के मोर्चे पर स्थिति को मापती है। यह 12 सतत विकास लक्ष्यों से संबद्ध संकेतकों के माध्यम से दर्शाए जाते हैं। इनमें पोषण, बाल और किशोर मृत्यु दर, मातृत्व स्वास्थ्य, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, खाना पकाने का ईंधन, स्वच्छता, पीने का पानी, बिजली, आवास, संपत्ति और बैंक खाते शामिल हैं। नीति आयोग का राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) गरीबी दर में गिरावट का आकलन करने के लिए 'अलकायर फोस्टर पद्धित का उपयोग करता है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने नीति आयोग की रिपोर्ट को 'बहुत उत्साहजनक बताया है। यह समावेशी विकास को आगे बढ़ाने और हमारी अर्थव्यवस्था में परिवर्तनकारी बदलावों पर ध्यान केंद्रित करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम चौतरफा विकास और प्रत्येक भारतीय के लिए समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे।

बताया जाता है बड़ी संख्या में लोगों के गरीबी रेखा से बाहर आने की खास वजह सरकारी योजनाओं में लीकेज बंद होना है। इस रिपोर्ट में भारत में गरीबी के विरुद्ध लड़ाई में भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 2013-14 में भारत में गरीबी दर 29.17 फीसदी थी, जो 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत रह गई। मोदी सरकार के 9 साल के कार्यकाल में गरीबी दर में 17.89 फीसदी की कमी आई है। लगभग 25 करोड़ लोगों के गरीबी रेखा से बाहर निकलने के बाद देश में अब भी 11.28 प्रतिशत लोग गरीब हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 41.3 प्रतिशत लोग अब भी बेघर हैं। 31 प्रतिशत लोग टॉयलेट सुविधा से वंचित हैं। यही नहीं तमाम अभियानों के बाद भी 44 प्रतिशत के पास रसोई गैस कनेक्शन नहीं है।

आजादी के 76 सालों के बाद भारत में गरीब और गरीबी पर लगातार अध्ययन और खुलासा हो रहा है। गरीबी मापने के लिए जीवनस्तर में चूल्हे से लेकर साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, घर, संपत्ति और बैंक अकाउंट इत्यादि भी देखे जाते हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा का गरीबी के मानकों में शामिल करना गरीबी को सम्यक बनाता है। कुछ सर्वेक्षणों में मोदी राज में भारत में गरीबी घटने की बात कही गयी थी तो कुछ सर्वेक्षणों में गरीबी बढ़ती बताई जा रही है। कुल मिलकर देखा जाये तो देश की गरीबी आंकड़ों के मायाजाल में फंसी दिखाई दे रही है। विभिन्न स्तरों पर गरीबी खत्म किये जाने के दावे स्वतंत्र विश्लेषक सही नहीं मानते है। मगर यह अवश्य कहा जा सकता है कि पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन के प्रयास जरूर सिरे चढ़े है। भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसी उल्लेखनीय पहलों ने स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे वंचित रहने में काफी कमी आई है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक का संचालन करते हुए, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली 81.35 करोड़ लाभार्थियों को कवर करती है, जो ग्रामीण और शहरी आबादी को खाद्यान्न प्रदान करती है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाना, सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। मातृ स्वास्थ्य का समाधान करने वाले विभिन्न कार्यक्रम, उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन वितरण, सौभाग्य के माध्यम से बिजली कवरेज में सुधार, और स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसे परिवर्तनकारी अभियानों ने सामूहिक रूप से लोगों की रहने की स्थिति और समग्र कल्याण की स्थिति में सुधार किया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री जन धन योजना और पीएम आवास योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन और वंचितों के लिए सुरक्षित आवास प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे बुनियादी सेवाओं तक पहुंच में आने वाली मूलभूत समस्याओं का तेजी से समाधान हो रहा है ताकि देश एक विकसित राष्ट्र यानी विकसित भारत 2047 बनने की ओर अग्रसर हो सके।

भारत में गरीबी उन्मूलन और खाद्य सहायता कार्यक्रमों पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद कुपोषण लगातार एक बड़ी समस्या बनी हुई है। भूख के कारण कमजोरी के शिकार बच्चों में बीमारियों से ग्रस्त होने का खतरा लगातार बना रहता है। इसके अलावा करोड़ों बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास नहीं हो पाता है क्योंकि उन्हें अपने शुरुआती वर्षों में पूरा पोषण नहीं मिल पाता है। विभिन्न स्तरों पर गरीबी खत्म किये जाने के दावे स्वतंत्र विश्लेषक सही नहीं मानते है। मगर यह अवश्य कहा जा सकता है कि पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन के प्रयास जरूर सिरे चढ़े है। सरकारी स्तर पर यदि ईमानदारी से प्रयास किये जाये और जनधन का दुरूपयोग नहीं हो तो भारत शीघ्र गरीबी के अभिशाप से मुक्त हो सकता है।

- अतिथि संपादक
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राष्ट्रहित से जुड़े राजकाज को संवारता राममय भारत

डॉ. निमिषा गौड़

लोकतांत्रिक देश भारत के संविधान की मूल भावना में सभी नागरिक समान है। इसी दृष्टिकोण से प्रेरित लोक के मत से निर्मित शासन तंत्र का कार्य जनता के प्रति उत्तरदायी होता है। इसी जवाबदेयिता की भावना से आमजन का सरकारों के प्रति विश्वास या अविश्वास रहता है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में बहुदलीय राजनीतिक दलों की व्यवस्था के कारण सत्ताधारी दल की कार्यशैली निरंतर जनता के मध्य जाकर जवाब देने की बनी रहती है।

कई दशकों तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी पिछले 10 वर्षों से संसद में दो अंकों तक सिमट कर रह गई है और हाल ही के पांच राज्यों के चुनाव में चार राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई। इसी कारण 138 साल पुराना कांग्रेस दल अब क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के गठबंधन के साथ से हाथ को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। इन्हीं प्रयासों में सत्ताधारी दल भाजपा के त्वरित कार्य प्रणाली पर प्रश्न उठाते हुए कांग्रेस को हाशिए पर धकेल रही है। राफेल से लेकर रामराज के विरोध के आरोप तक का सफर कांग्रेस को लगातार बेकफुट की ओर ले जा रहा है।

भारतीय लोकमत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के अनुरूप सत्ताधारी दल विधायिका के पटल से लेकर सड़कों तक बहुतरे प्रश्नों का उत्तर तार्किकता और तथ्यों के साथ रहा है परंतु कुशल नेतृत्व के अभाव में कांग्रेस की नीतियां डिजाइन बॉक्स के टूल किट या घटनाओं के सहारे जीवित रहने का प्रयास कर रही है। वर्ष 2014 से लेकर 2024 तक एनडीए की सरकार पर लोकमत को संपूर्ण विश्वास रहा है। बीते दस वर्ष के शासनकाल में भारत की केंद्र सरकार के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक निर्णयों ने भारत में युगांतरकारी परिवर्तन किए हैं जिसमें से डिजिटलीकरण, विमुद्रीकरण, धारा 370 को जम्मू कश्मीर से समाप्त करना, तीन तलाक को अपराधिकृत घोषित करना, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक, नई संसद भवन का शिलान्यास और निर्धारित समय में उद्घाटन, नारी शक्ति वंदन अधिनियम और अब प्रभु श्री राम जी की अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अभिनंदन के ऐतिहासिक क्षण शामिल है। ई-गवर्नेंस से सुशासन की केंद्र सरकार के प्रति आम जन की पूर्ण निष्ठा ने सरकारी योजनाओं के लाभ के मध्य पुल बनाया है। 51 करोड़ से अधिक जनधन बैंक अकाउंट में गांव का गरीब भी सरकारों से सीधा संवाद कर रहा है।

इसी कारण भारत के अमृतकाल में गांव गरीब किसान मजदूर और महिलाओं का आत्मनिर्भर बनने का स्वप्न अब पूरा हो रहा है। हाल ही में नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 9 वर्षों में 24.82 करोड़ भारतीयों के जीवन को ग़रीबी के स्तर से उठाकर मध्य वर्गी जीवन स्तर पर लाने में मोदी सरकार सफल हुई। राष्ट्र की आधारभूत संरचना के निर्माण के साथ रक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, तकनीकी विज्ञान के अनेक विकसित पैमानों को लांघती भारतीय अर्थव्यवस्था ग्रोथ का वह इंजन है जिसने भू राजनीतिक संकटों में अनुकूल तरीक़े से निपटकर ग्लोबल सप्लाई चयन रिफॉर्म का प्रमुख लाभार्थी बना। जी-20 की अध्यक्षता और मेजबानी करते भारत के नेतृत्व को अमेरिका और फ्रांस जैसे समृद्ध राष्ट्रों ने सराहा तो दक्षिण अफ्रीका ने आभार व्यक्त किया।

यूपीए के शासनकाल में औसत विकास दर 2 प्रतिशत तक ही रही और अब कोरोना महामारी के संकटकाल से उभरने पर भी एनडीए के काल में भारत की विकास दर 7.8 प्रतिशत तक जा चुकी है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम के प्रमुख बोर्गे ब्रेंडे ने 2024 के दावोस सम्मेलन के दौरान कहा कि भारत की डिजिटल इकोनॉमी बाक़ी अर्थव्यवस्था की तुलना में दोगुनी तेज़ी से बढ़ रही है। इस वर्ष भारत 8 प्रतिशत की दर से विकास करेगा और आने वाले एक दशक में भारत 10 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। आज मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श राज्य की संकल्पना से प्रेरित हर भारतीय आराध्य प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक क्षण पर श्रद्धा व्यक्त कर रहा है। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भारत के विकास और गौरवपूर्ण विरासत का संगम हो रहा हैं। एक तरफ़ सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबके प्रयास से एकजुट भारत संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत् विकास लक्ष्यों के साथ तारतम्मय स्थापित करते हुए तेज़ी से प्रगति कर रहा है।

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पीछलग्गू राजनीतिक दल की तरह पिछले 10 वर्षों के सफर में डिजिटलीकरण विमुद्रीकरण जैम (आधार कार्ड मोबाइल न. बैंक) जैसे नवाचारों का का विरोध करते रहे ओर कोरोना महामारी के काल में लाशों की राजनीति की ओर भारतीय टीकाकरण अभियान पर अविश्वास का माहौल बनाया। और अब तो अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के सादर निमंत्रण तक को ठुकरा दिया। हिंदुओं के प्रति अलगावाद की नीति जवाहरलाल नेहरू से लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे तक रही है और आज राष्ट्रहित से जुड़े राज काज का विरोध करते-करते, राममय भारत के विकास ओर निष्ठा के प्रति द्वेष रखना कांग्रेस के विनाश को निमंत्रण दे बैठा। 21वीं सदी में प्रवेश करते कृषि प्रधान देश भारत के किसान भाई बहनों को स्तरीय विकास की ओर ले जाने वाले कृषि बिल 2020 का कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने पुरजोर विरोध किया। कृषि बिल 2020 से लेकर हिट एंड रन बिल 2023 सीधे जनता के साथ न्यायपूर्ण जुड़ाव शासकीय तंत्र का हो जाता किंतु मुद्दा विहीन कांग्रेस के साथ अन्य दलों के विरोध के कारण इन बिलों को वापस लेना पड़ा आज भी कांग्रेस पार्टी में राहुल गांधी के नेतृत्व पर लगातार चुनावी हार का सामना करने के बाद भी आशा की डोर टीका रखी है, लेकिन पिछली हास्यास्पद गलतियों से सबक़ न लेते हुए भी सांसद सदस्य महुआ मोइत्रा के निष्कासन की मिमिक्री के तमाशें की रिकॉर्डिंग राहुल गांधी की अपरिपक्वता को फिर से सामने ला दिया, इसी के चलते अब कांग्रेस की दूसरी भारत तोड़ो यात्रा में भी कांग्रेस छोड़ो अभियान का आगाज महाराष्ट्र में पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा ने कर दिया है।

अंत्योदय के दर्शन से प्रेरित दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का तोड़ विपक्षी दलों के गठबंधनों को ढूंढते नहीं मिल रहा है इसीलिए सता के खोट निकालते निकालते विपक्षी दल आम जन की नज़रों में खोटे होते गए। राष्ट्र के विकास और कांग्रेस के विनाश के मध्य लोकमत को समझना सत्ता लोलुप पार्टीयों के लिए असंभव सा लग रहा है। नए भारत में भारतवासी राष्ट्र हित से जुड़े राज काज को सवारंते हुए, राममय भारत डिजिटल वर्ल्ड में चौतरफ़ा विकास की नई राहें गढ़ने लगा है।

- डॉ. निमिषा गौड़,
असिस्टेंट प्रोफेसर,
कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर।

सर्द हवाओं ने ठिठुराया, तापमान में आई कमी

सर्द हवाओं का असर मकर संक्रांति के बाद बढ़ा

अनूपगढ़, (निसं)। मकर संक्रांति के बाद मौसम में परिवर्तन आना शुरू हो जाता है और ठंड का असर कम होने लगता है, लेकिन इस बार सर्द हवाओं का असर मकर संक्रांति के बाद पिछले दो दिनों से बढ़ गया है। बुधवार को पूरे दिन सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। जिससे पूरे दिन सर्दी का असर बरकरार रहा। शाम होते-होते ठंडी हवाएं नश्तर से चुभने लगी। दिन का न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। शीत हवाओं के चलते लोगों की दिनचार्य प्रभावित हुई। बुधवार शाम को ही बाजार सूना हो गया। शीतकालीन अवकाश के बाद निजी तथा सरकारी विद्यालय खुल गए हैं, लेकिन दिन ठंड का असर ज्यादा होने के कारण विद्यार्थियों की उपस्थिति की संख्या कम ही है। क्षेत्र में अत्यधिक शीतलहर को देखते हुए जिला कलक्टर अवशेष मीणा ने भी स्कूलों के समय में परिवर्तन किया है। जिले में संचालित राजकीय और गैर राजकीय विद्यालयों में 18 जनवरी से लेकर 20 जनवरी तक कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों का शिक्षण समय प्रात: 11 से सायं 3 बजे तक रहेगा।

जिला कलेक्टर अवधेश मीणा ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग निदेशक के निर्देशों की पालना में अत्यधिक शीतलहर को देखते हुये स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में 18 जनवरी से लेकर 20 जनवरी तक कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों का शिक्षण समय प्रात: 11 से सायं 3 बजे तक रहेगा। उक्त अवधि में ऑनलाइन शिक्षण देने की छूट रहेगी। उन्होंने बताया कि कक्षा 9 से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों का शिक्षण समय तथा शिक्षकों एवं संचालित अन्य परीक्षाओं का समय विभागीय नियमानुसार रहेगा। उक्त निर्देशों की अवहेलना करने वाले राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

- **प्रातः 11 से सायं 3 बजे तक संचालित होंगे राजकीय और गैर राजकीय विद्यालय**

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से सात कुरजां मरी

बाप, (निसं)। रावरा गांव में हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से सात प्रवासी पक्षी कुरजां की मौत हो गई। रावरा में कुरजां पक्षियों के साथ अब तक छह से अधिक बार हादसे हो चुके हैं, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हादसा होने पर ग्रामीण सुरक्षा को लेकर मांग करते है, लेकिन उस पर काम नहीं हो रहा है। इस कारण आए दिन प्रवासी कुरजां करंट से काल कलवित हो रही है।

रावरा निवासी पर्यावरण प्रेमी केशाराम रावरा ने बताया बुधवार को रावरा तालाब के आगोर में करंट से 7 कुरजां मर गई। कुरजां तालाब के आगोर में से निकल रही सोलर कंपनी टाटा और हिन्दुजा सोलर प्लांट की संयुक्त 132 केवी हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आई थी। यह लाइन सोलर प्लांट से बाप जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ वर्षो से रावरा गांव के तालाब पर बडी तादाद में कुरजां पहुंच रही है। कुरजां यहां तालाब किनारे व आगोर में विचरण करती है। इस वर्ष भी रावरा तालाब पर कुरजां पक्षियों का जमावड़ा लगा हुआ है। यह पक्षी उडान भरते समय और नीचे उतरते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ जाती है। पहले भी इस तरह के हुए हादसो में कुरजां मरी है। ग्रामीणों ने रावरा तालाब के आगोर से निकल रही हाईटेंशन लाइनों को अंडर ग्राउंड करने या यहां से शिफ्टिंग करने की मांग फिर उठाई है।

- **रावरा में कुरजां पक्षियों के साथ अब तक छह से अधिक बार हादसे हो चुके हैं**
- **हादसा होने पर ग्रामीण सुरक्षा को लेकर मांग करते है, लेकिन उस पर काम नहीं हो रहा**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरुवार 18 जनवरी 2024

पौष मास शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, विक्रम सम्वत 2080, अश्विनी नक्षत्र रात्रि 2.58 तक, सिद्ध योग दिन 2.47 तक, विष्टिकरण प्रात: 9.26 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति - सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मेष, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरु-मेष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में संचार करेगा।

आज सवार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 2.58 तक है। रवियोग रात्रि 2.58 से आरम्भ होगा। आज भद्रा प्रात: 9.26 तक है। आज दुर्गाष्टमी है आज से शाकम्बरी देवी नवरात्रा आरम्भ होंगे।

आज शुक्र मूल धनु में रात्रि 8.56 से प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघडिया - शुभ सूर्योदय से 8.40 तक, चर - 11.18 से 11.37 तक, लाभ-अमृत 12.37 से 3.15 तक।

राहुकाल - 1.30 से 3.00 तक, सूर्योदय 7.21 सूर्यास्त 5.53

मेष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आत्मविश्वास बडेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। मनोबल बडेगा।

सिंह

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा।

धनु

घर-परिवार में वाद-विवाद बड सकते हैं। अथितियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृष

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। अर्नगल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। परिवार में वाद-विवाद बड सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। नौकरी पैशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला

व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे। नौकरी पैशा व्यक्तियों का प्रभाव प्रभुत्व बडेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख सुविधाएं बनी रहेगी।

मीन

आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल आत्मविश्वास बडेगा। वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

अवैध खनन के विरूद्ध कार्रवाई, 16 वाहन जब्त

अजमेर, (कासं)। अवैध खनन के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत जिले में प्रभावी कार्यवाही करते हुए बुधवार को 16 वाहन जब्त किए गए।

खनि अभियन्ता जयप्रकाश गोदारा ने बताया कि जिला कलैक्टर डॉ. भारती दीक्षित के निर्देशानुसार अधीक्षण खनि अभियन्ता पुष्कर राज आमेटा की देखरेख में जिले में अवैध खनन के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है।

बुधवार को विभिन्न थाना क्षेत्रों में खान विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस, वन विभाग एवं परिवहन विभाग के दलों ने औचक कार्यवाही को अंजाम दिया। पुलिस थाना क्षेत्र गेगल, क्रिश्चयनगंज, पीसांगन, अंराई एवं रूपनगढ़ में कार्यवाही कर 16 वाहन जब्त किए गए।

इनमें एक्सकेवेटर, डम्पर, ट्रेलर तथा ट्रेक्टर ट्रोली शामिल हैं। इन वाहन चालाकों एवं मालिकों से लगभग 25 लाख का जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही में खनिज ग्रेनाईट, मार्बल, स्लेरी पाउडर, स्टोन गिट्टी, बजरी एवं मैसेनरी स्टोन की जब्ती की गई। जिले में अवैध खनन के विरूद्ध यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

- **वाहन चालाकों एवं मालिकों से 25 लाख का जुर्माना वसूला**

'राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पावन काम कोई और हो नहीं सकता'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत बुधवार सुबह कार सेवा में शहीद हुए स्वर्गीय महेंद्रनाथ अरोड़ा की स्मृति में बनाए गए चौराहे पर पहुंचे और वहां संपूर्ण चौराहे की स्वच्छता को लेकर साफ-सफाई की। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक और जहां राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है, ऐसे में इससे पावन काम कोई और हो नहीं सकता।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राम मंदिर प्रतिष्ठा से पहले देश में स्वच्छता को लेकर किए गए आव्हान के फलस्वरूप भारतीय जनता पार्टी के नेता इस अभियान को सफल बनाने में जुटे हैं। यहां महेंद्रनाथ अरोड़ा सर्किल से साफसफाई का कार्यक्रम आरंभ करने से अच्छा कोई स्थान हो ही नहीं सकता है।

इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कार्यकर्ता भी मौजूद रहे और उन्होंने भी हाथ में झाड़ू पकड़ दिवंगत प्रोफेसर महेंद्र नाथ अरोड़ा के चौराहे को साफ किया। साफ-सफाई के बाद प्रो. अरोड़ा को श्रद्धांजलि के सुमन अर्पित किए। इस दौरान दक्षिण महापौर वनिता सेठ, भाजपा जोधपुर शहर जिला अध्यक्ष देवेंद्र सालेचा, प्रदेश मंत्री महेन्द्र कुमावत, भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही कई पार्षद मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार कार सेवक के रूप में महेंद्र नाथ अरोड़ा ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था।

- **कार सेवा में शहीद हुए स्वर्गीय महेंद्रनाथ अरोड़ा की स्मृति में बनाए गए चौराहे पर पहुंचे केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत**

शेखावाटी में कोहरा छाया, सर्दी बढ़ी

चूरू, (कासं)। शेखावाटी में बुधवार को सवेरे दस बजे तक कोहरा छाया रहा। साथ ही यहां कंपकंपा देने वाली सर्दी रही। यहां मध्य रात्रि तक कोहरा अपने पूरे रंग में था।

इस दौरान लम्बी दूरी के वाहन चालकों को तो अपने वाहन किसी सुरक्षित स्थान पर खड़े करने पड़े। सुबह के समय चली बर्फीली हवाओं ने लोगों को ठिठुरा कर रख दिया। कोहरे के कारण सुबह के समय सड़क पर गाड़ियां हेडलाइट जलाकर रेंगती हुई चलती नजर आई। मंगलवार की अपेक्षा बुधवार को अधिकतम तापमान में 1.2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। वहीं न्यूनतम तापमान में 1.2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को चूरू में अधिकतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। यहां शाम ढलने से पहले एक बार सर्दी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए। शेखावाटी में किसानों को बारिश का इंतजार है। बारिश के अभाव में बिरानी चने की फसल दिनों-दिन खराब हो रही है। किसान चिंतित दिखाई देने लगे हैं।

- **शेखावाटी में किसानों को बारिश का इंतजार है**

शेखावाटी में सवेरे दस बजे तक कोहरा छाया रहा। साथ ही यहां कंपकंपा देने वाली सर्दी रही।